# S-344

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MAJY-507

## पंचांग एवं मुहूर्त्त-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. मुहूर्त का परिचय देते हुए विद्यारंभ मुहूर्त के विषय में विस्तार से उल्लेख करें।

2. मानव जीवन में संस्कार क्यों आवश्यक है विस्तृत विवेचना करें।

3. नामकरण मुहूर्त एवं गर्भाधान मुहूर्त का उल्लेख करते हुए विस्तार से विवेचन करें।

4. अन्नप्राशन एवं चूड़ाकर्म मुहूर्त का शास्त्रोक्त विधि से उल्लेख करें।

5. वधूप्रवेश में मुहूर्त की वैज्ञानिकता को स्पष्ट करते हुए विस्तार से उल्लेख करें।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. प्रतिपदा से पंचमी तिथि परक निर्णय का प्रतिपादन कीजिए।

2. श्राद्ध किसे कहते हैं? श्राद्ध की वैज्ञानिकता सिद्ध करें।

3. मानव समाज में संस्कार क्यों आवश्यक है? संस्कार की आवश्यकताओं पर प्रकाश डालें।

4. गर्भाधान, उपनयन, विद्यारंभ मुहूर्त का उल्लेख करें।

5. संस्कारों में नक्षत्र योग एवं करण की भूमिका पर प्रकाश डालें।

6. पंचांग के महत्त्व को स्पष्ट करें।

7. वर्तमान काल में ज्योतिषशास्त्र की उपादेयता सिद्ध करें।

8. द्विरागमन एवं गृहारंभ मुहूर्त का परिचय दें।

---